ECONOMICS TIMES N.D 20/12/19

दिसंबर के पीक सीजन में 9% महंगा हुआ नेचुरल रबड़

[पी के कृष्णकुमार। कोच्चि]

नेचुरल रबड़ की खपत कम रहने के बावजूद दिसंबर के पीक टैपिंग सीजन में दाम सालाना आधार पर 9 पर्सेंट बढ़ा है। टायर इंडस्ट्री में इस्तेमाल होनेवाली RSS-4 वेरायटी का भाव पिछले छह हफ्तों में 6 पर्सेंट बढ़कर 132.50 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गया है। वायदा बाजार में भी नेचुरल रबड़ के भाव में उछाल देखने को मिला है।

इंडस्ट्री के एग्जिक्यूटिव्स के मुताबिक रबड़ बोर्ड के अनुमानित आंकड़ों के उलट इस कमोडिटी का प्रॉडक्शन कमजोर रहा है। इंडियन रबड़ डीलर्स फेडेरेशन के प्रेसिडेंट टॉमी अब्राहम ने कहा, 'बारिश का सीजन लंबा खिंच जाने से टैपिंग में रुकावट आई है। टैपिंग सामान्य से 30-35 पर्सेंट कम रह सकती है।'

बारिश का सीजन लंबा खिंच जाने से टैपिंग में रुकावट आई है जिससे टैपिंग सामान्य से 30-35% कम रह सकती है

रबड़ बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से अक्टूबर तक प्रॉडक्शन सालाना आधार पर 8 पर्सेंट बढ़कर 3,73,000 टन रहा। उसके मुताबिक इस दौरान खपत 8 पर्सेंट घटकर 6,57,120 टन रही जबकि आयात 18 पर्सेंट की तेज गिरावट के साथ 3,02,340 टन रह गया। इसीलिए अच्छी फसल होने के बावजूद किसान निराश हैं।

हैरिसन मलयालम लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ने संतोष कुमार ने कहा, 'पिछले साल की तरह इस बार भी छाल जल्दी गिर रही है। हो सकता है कि यह बदलते मौसम की वजह से हो रहा हो। वर्तमान स्थिति को देख कर लगता है कि इस साल टैपिंग सीजन जनवरी में खत्म हो जाएगा।'

ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (Atma) के डायरेक्टर जनरल राजीव बुधराजा ने बताया, 'मांग अभी भी सुस्त बनी हुई है। सेंटिमेंट में सुधार आने पर रबड़ का भाव बढ़ सकता है लेकिन हमारे हिसाब से बोर्ड ने प्रॉडक्शन आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर दिए हैं।' बुधराजा के मुताबिक ऑटो इंडस्ट्री में काफी उथल-पुथल है। कंपनियां BS-VI एमिशन नॉर्म्स लागू होने से पहले गाड़ियों का स्टॉक निकालने में जुटी हैं। उन्होंने कहा, 'प्लांट शटडाउन और छुट्टियों की वजह से दिसंबर में मांग सामान्य रूप से कमजोर है। डिमांड अगली तिमाही में ही बढ़ने की उम्मीद है।' रबड़ के तीन बड़े प्रोड्यूसर- थाईलैंड, इंडोनेशिया और मलेशिया के रबड़ बागानों में फंगस लगने के चलते रबड़ के सबसे बड़े कंज्यूमर चीन की ओर से डिमांड नहीं निकली। इसके बावजूद ग्लोबल मार्केट में दाम बढ़ा है और ग्लोबल शीट रबड़ का दाम नवंबर की शुरुआत से 10 पर्सेंट बढ़कर 115.98 प्रति किलो हो गया है। दाम बढ़ने और मांग में कमजोरी रहने से रबड़ का आयात घटा है जो 2018-19 में 5,82,351 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।